Patrika (Indore), 17th May 2022, Page-02

फंड के लिए मंत्रालय से कर रहे हैं संपर्क

आइआइटी ने भी कहा- उज्जैन में अभी सैटेलाइट कैम्पस मुश्किल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर का उज्जैन में प्रस्तावित सैटेलाइट कैम्पस नहीं खुलने की खबर पर आइआइटी प्रबंधन ने भी मुहर लगा दी है। प्रबंधन के अनुसार कैम्पस के नए कोर्स के लिए फंड और अनुमति की जरूरत है, इसलिए इस सत्र में ये कैम्पस खुलना मुश्किल होगा।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी), इंदौर के सैटेलाइट कैम्पस के लिए 1 हजार एकड़ जमीन और करीब 500 करोड़ रुपए की जरूरत है। कार्यवाहक निदेशक प्रो.निलेश कुमार जैन के कार्यकाल में ये प्रस्ताव बना जो कि स्थायी निदेशक प्रो. सुहास जोशी के आते ही ठंडे बस्ते में चला गया। पिछले चार माह से सैटेलाइट कैम्पस के संबंध में एक भी बैठक नहीं हो पाई है। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आइआइटी दौरे में इसका जिक्र जरूर हुआ, लेकिन प्रबंधन यह नहीं बता सका कि सैटेलाइट कैम्पस के लिहाज से फंड की उपलब्धता कहां से होगी। संस्थान में इस कैम्पस को लेकर चल रही उठापटक के बीच 11 मई को पत्रिका में उज्जैन में नहीं खुल पाएगा आइआइटी का सैटेलाइट कैम्पस शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई। सोमवार को आइआइटी की ओर से एक बयान जारी हुआ जिसमें आगामी सेमेस्टर से सैटेलाइट कैम्पस शुरू नहीं हो पाने की जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया कि उज्जैन कैम्पस के लिए आवश्यक अनुमतियां व फंड के लिए संस्थान मंत्रालय के संपर्क में हैं। नए कोर्स शुरू करने के लिए अनुमोदन की आवश्यकता होती है, इसलिए इस आगामी सेमेस्टर में मुश्किल हो सकती है।